AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail: vcunivag@gmail.com

डॉ. एम.एल. मेहरिया
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 31.01.18

प्रेस नोट

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में दिनांक 28–31 जनवरी तक कृषि मेले (राफ–2018) का समापन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में मंडोर स्थित मुख्यालय परिसर पर चल रहे चार दिवसीय पश्चिमी क्षेत्रिय मेले का समापन हुआ। मेले के समापन समारोह के मुख्य अतिथि जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार डॉ महेन्द्र सिंह राठौड़ रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बलराज सिंह, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने की तथा इस अवसर पर आएसी के उपमहानिदेशक श्री दिलीप जाखड, अटारी–जोधपुर के निदेशक डॉ एस के सिंह विशिष्ठ अतिथि रहें। मुख्य अतिथि डॉ राठौड ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान का यह क्षेत्र वर्षा आधारित है लेकिन अभी हाल ही में यहां पर सिंचित क्षेत्र में भी काफी बढोतरी हुई है अतः किसानों को दोनो तरह की परिस्थितियों के लिये कृषि तकनीकी का विकास कर क्षेत्र के अंतिम किसान तक नवीन कृषि तकनीक को पहुँचाना होगा। डॉ राठौड ने जल एवं मृदा संरक्षण, उन्नत किस्मों का चुनाव, रसायनिक खादों के साथ साथ जैविक खाद का प्रयोग करने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया। मेले की अध्यक्षता करते हुऐ कुलपति डॉ बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रहे नवीन कृषि कार्यो जैसे कि 35 करोड़ से अधिक के परियोजनाओं की स्वीकृति, नवस्थापित नागौर कृषि महाविद्यालय के भवन का आधुनिक तकनीक के साथ निर्माण कार्य की प्रगति, तीन नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों की भवन निर्माण एवं उन्नत किस्म के बीज उत्पादन की वर्तमान स्थिति जो कि 250 क्विंटल से बढकर 2000 क्विंटल तक होने के बारे में अवगत कराया। विशिष्ठ अतिथि उपमहानिदेशक आरएसी श्री दिलीप जाखड ने न्यूजीलैण्ड एवं आस्ट्रेलिया में मैरिनों भेड से प्राप्त उन के तरीके तुलना पश्चिमी राजस्थान में किये जा रहे भेड पालन से की और बताया कि यहां के वैज्ञानिकों की तकनीकी सहायता से इस क्षेत्र में भी संभव है। श्री जाखड ने इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के सहयोग से आरएसी जोधपुर परिसर में सब्जी और फल उत्पादन मे हुई बढोतरी के लिये विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया और मेले में आऐ सभी किसान भाईयों से यहां के वैज्ञानिकों से तकनीकी सहायता प्राप्त कर और अपना उत्पादन बढायें। अटारी–काजरी जोधपुर के

निदेशक डॉ एस.के. सिंह ने इस चार दिवसीय मेले में आये किसानों को संबोधित करते हुऐ मेले के अच्छे प्रबंधन के लिये कुलपति महोदय और वैज्ञानिकों का आभार प्रकट किया।

मेले के अंतिम दिन निम्न प्रगति किसानों को अच्छे कृषि कार्यो के लिये पारितोषित देकर पुरस्कृत किया गया।

क्रस	किसान का नाम	कार्य क्षेत्र	पुरस्कार
1.	श्री नैनाराम नेहरा, गॉव चाडी, तहसील औसियां जिला जोधपुर	पान मैथी की खेती को चाडी औसियां क्षेत्र में बढावा	रू 5100 का चेक, साफा मोमेन्टों और प्रमाण पत्र
2.	श्री विश्वराज सिंह राठौड, गांव बीठीयां जिला पाली	सैन्ट्रल सीट्रस रिसर्च इंस्टीटयूट, नागपुर से नीबूं की नई वेरायटी के 550 पौधें लगायें	रू 2100 का चेक, साफा मोमेन्टों और प्रमाण पत्र
3.	श्री अमित गोलेचा, गांव बेरा विलपर जिला सिरोही	बेरा विलपुर फार्म पर स्ट्राबेरी, नीबूं और अनार की उन्नत खेती	रू 2100 का चेक, साफा मोमेन्टों और प्रमाण पत्र
4.	श्री भवंरलाल मुलेवा, गांव बिलाडा जोधपुर	लम्बे समय से उद्यानिकी फसलें, जैविक जीरा की खेती कर रहे है।	रू 1100 का चेक, साफा मोमेन्टों और प्रमाण पत्र
5.	श्री निम्बाराम, गांव आलपुर, तहसील गुडामलानी, बाडमेर	बडे पैमाने पर शतावरी गोल्ड और अन्य औषधीय पौधें की खेती कर रहे है	रू 1100 का चेक, साफा मोमेन्टों और प्रमाण

इसी तरह से मेले में पशु प्रदर्शन के लिये सोहन चौधरी, आंगणवा को मारवाडी अश्व, गोर्वद्वन सिंह खींची को बगडी नस्ल की बकरी के लिये एवं कर्मवीर खींची को उन्नत खरगोश पालन के लिये पुरस्कारों से नवाजा गया ।

इसके अलावा मेले में करीब 100 काश्तकारों को कृषि ज्ञान एवं फसल प्रतियोगिता के लिये पुरस्कृत किया गया। मेला प्रभारी एवं निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ ईश्वर सिंह ने बताया कि इस चार दिवसीय मेले में कुल 6000 से अधिक किसानों, छात्रों एवं 200 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया। मेले में किसानों के लिये खाना और चाय की व्यवस्था कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा की गई। इस मेले में राज्य के पॉचों कृषि विश्वविद्यालय, राजुवास, बीकानेर के अलावा पश्चिमी भारत में स्थित आईसीएआर, नई दिल्ली के सभी संस्थानों, बीज उत्पादक कम्पनियों, ट्रेक्टर निर्माता डीलरों द्वारा प्रदर्शनी/स्टाल लगाई गई जिसमें चारों दिन कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को अवगत कराया। मेले का मुख्य आकर्षण एमपीयूएटी, उदयपुर की स्टाल में उपलब्ध उन्नत बटेर, प्रतापधन मुर्गा एवं ग्रेजाइंट खरगोंश रहा।

विशेष

प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह द्वारा पश्चिमी राजस्थान में हाईटेक बागवानी की स्थिति एवं संभावनाऐं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आज के अंतिम सत्र में उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के स्वच्छता अभियान में योगदान, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा कुपोषण निवारण में योगदान तथा जिम्मेदारी के विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ जीवाराम वर्मा द्वारा मसाला फसलों में उत्कृष्ट कृषि क्रियाओं के बारे में जानकारी दी ताकि मसाला फसलों जैसे मिर्च और जीरा के निर्यात में कोई बाधा न

पहुॅचे इस विषय पर कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में उपलब्ध नवीनतम तकनीक के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

सेवानिवृत्त निदेशक अनुसंधान, एसकेआरएयू, बीकानेर के डॉ आर पी जांगीड द्वारा फसल उत्पादन प्रबंधन व मृदा स्वास्थ्य के बारे में किसानों को बताया गया, इसी प्रकार श्री हेमन्त खत्री सीए ने जीएसटी एवं वित्तीय साक्षरता के बारे में किसानों को अवगत कराया तथा पॉचवे सत्र में डॉ एस के शर्मा, कार्यक्रम समन्व्यक, कृषि विज्ञान केन्द्र, जोधपुर ने मृदा स्वास्थ्य में सुधार एवं जैविक खादों के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मेले के तीसरे दिन हरियाणा एवं राजस्थान के लगभग 500 से ज्यादा महिला एवं पुरूष किसानों ने भाग लिया। मेले में जोधपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं लाचूं महाविद्यालय के पीजी बॉटनी के विद्यार्थियों ने मेले एवं प्रक्षेत्र फार्म विशेष रूचि लेकर भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान इन छात्रों को कृषि विश्वविद्यालय में अनुसंधान के क्षेत्र में चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। मेंले में आज अंतिम सत्र के बाद कृषि प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिनमें विजेता रहे 25 काश्तकारों को एक्सेल क्रॉप केयर की तरफ से पारितोषित वितरित किया गया। मेले के अंमित दिन तुडाई बाद फसल प्रबंधन एवं विपनण विषय पर तकनीकी सत्र का आयोजन किया जायेगा तद्उपरांत मेले का समापन समारोह आयोजित कर फसल उत्पाद प्रदर्शनी, मेले में लगी विभिन्न प्रदर्शनीयों में विजेता रहे किसानों को एवं नवाचार अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों को अतिथियों द्वारा पारितोषित वितरित किया जायेगा। अंतिम दिन प्रदेश में नवाचार अपनाने खेती करने वाले पॉच प्रगतिशील किसानों को नकद राशिदेकर भी सम्मानित किया जायेगा। मेले के अंतिम दिन समापान समारोह में प्रो महेन्द्र सिंह राठौड, जेडीए अध्यक्ष मुख्य अतिथि रहेंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बलराज सिंह, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर करेंगें तथा इस अवसर पर आएसी के उपमहानिदेशक श्री दिलीप जाखड विशिष्ठ अतिथि रहेंगें।

(डॉ एम.एल. मेहरिया)